श्री आदिनाय भगवान के पूर्व 12 भवों का अद्भत अलौकिक सुंदर वर्णन

मात्श्री भदीदेवी पुरवराजनी सोनाजी कवाइमुधा एवं भ्राताश्री मोहनलालजी पुरवराजनी कवाइमुधा व बहुन श्रीमती विमलादेवी के दिव्याशीष से शा. भंवरलाल, छगनराज, पारसमल, रमेशकुमार, महेन्द्रकुमार, विक्रमकुमार बेटा-पोता शा. पुरवराजजी सोनाजी कवाइम्था परिवार, रेवतड़ा प्रतिष्ठान : डायमंड सेल्स, चेबई





वीस रथानक पूजन के लाभार्थी

मातृश्री ढेपीदेवी वस्तीमलजी वेदम्या के दिव्याशीष से शा. मांगीलाल, चम्पालाल, कान्तिलाल, सुमित, विक्रम, राज्, संजय, अभिषेक, विधान, नियम, प्रीतम बेटा-पोता-पडपोता शा. वस्तीमलजी उम्मेदाजी वेदम्था परिवार, रेवतड़ा प्रतिष्ठानः संजय ईलेक्ट्रिकल्स, विजयवाडा





नंदावर्त पाटला पूजन के लाभार्थी

मातुश्री भंवरीदेवी गोडीदासजी के दिव्याशीष से शा. रतनचंद-मोवनदेवी, मनोरमल-लीलाबाई, गौतमचंद-लीलाबाई, आशिष-संतोषदेवी, राजु, जीतु, पिंदू, आशीष, रवि, विहान, हितारा बेटा-पोता शा. गोडीदासजी हजारीमलजी कवाइमुधा परिवार, रेवतड़ा प्रतिष्ठान : भेरुलाल हजारीमल, के. जी. एक.



















